Self Respect

03-09-2014

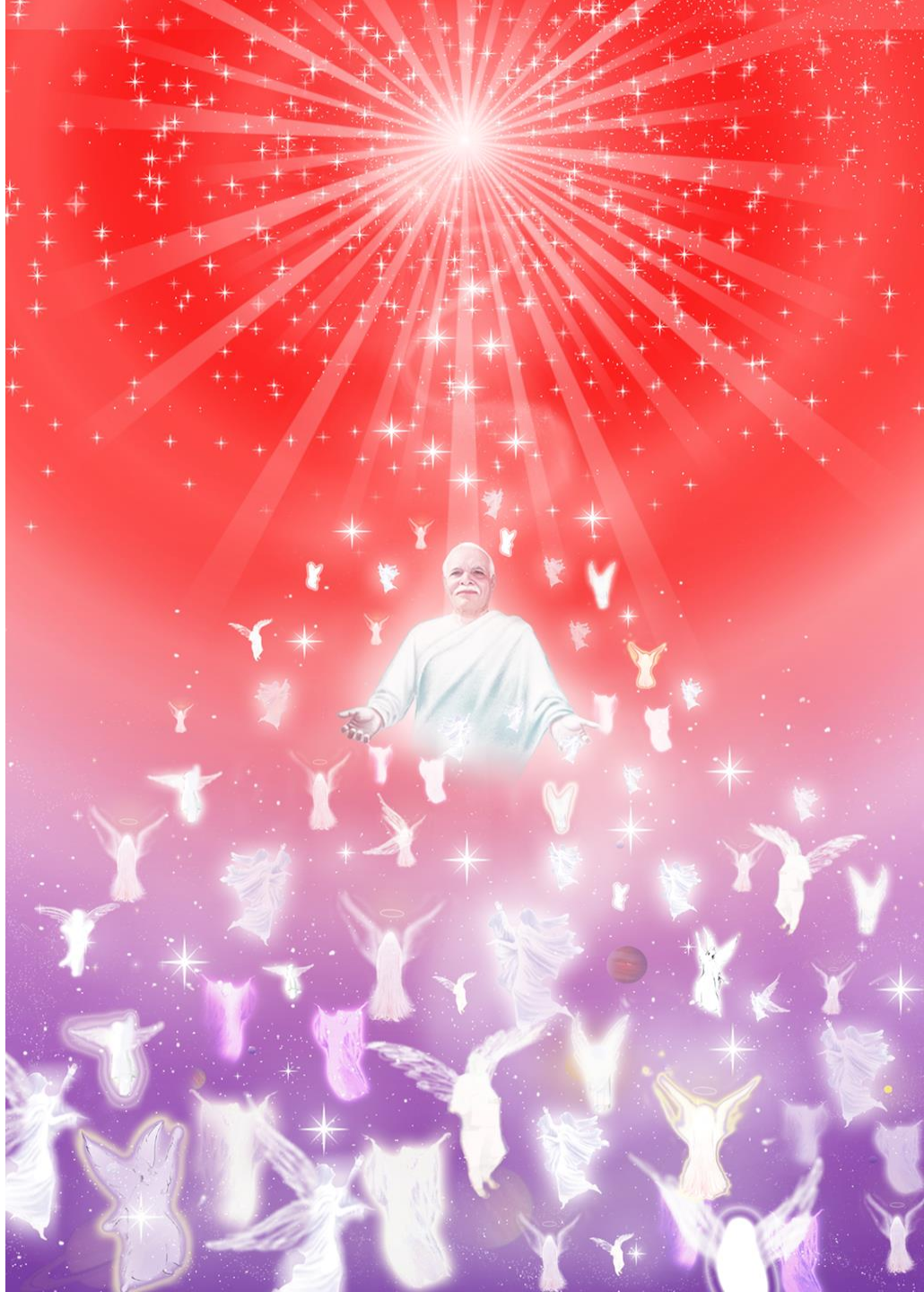

- ✓तो रूहानी बाप समझाते हैं, यहाँ बाप और वर्से की याद में बैठना है । जानते हो हम नर से नारायण बनने के पुरूषार्थ में तत्पर हैं वा स्वर्ग में जाने के लिए पुरूषार्थ कर रहे हैं ।

- ✓अभी तुम बच्चे जानते हो कि शिवबाबा हमारा बेहद का बाप है । भल देखा नहीं है परन्तु बुद्धि से समझ सकते हो

- ✓तुम बच्चे जानते हो-बाप आकर पढ़ाते भी हैं । आगे यह मालूम नहीं था कि पढ़ाते भी हैं ।

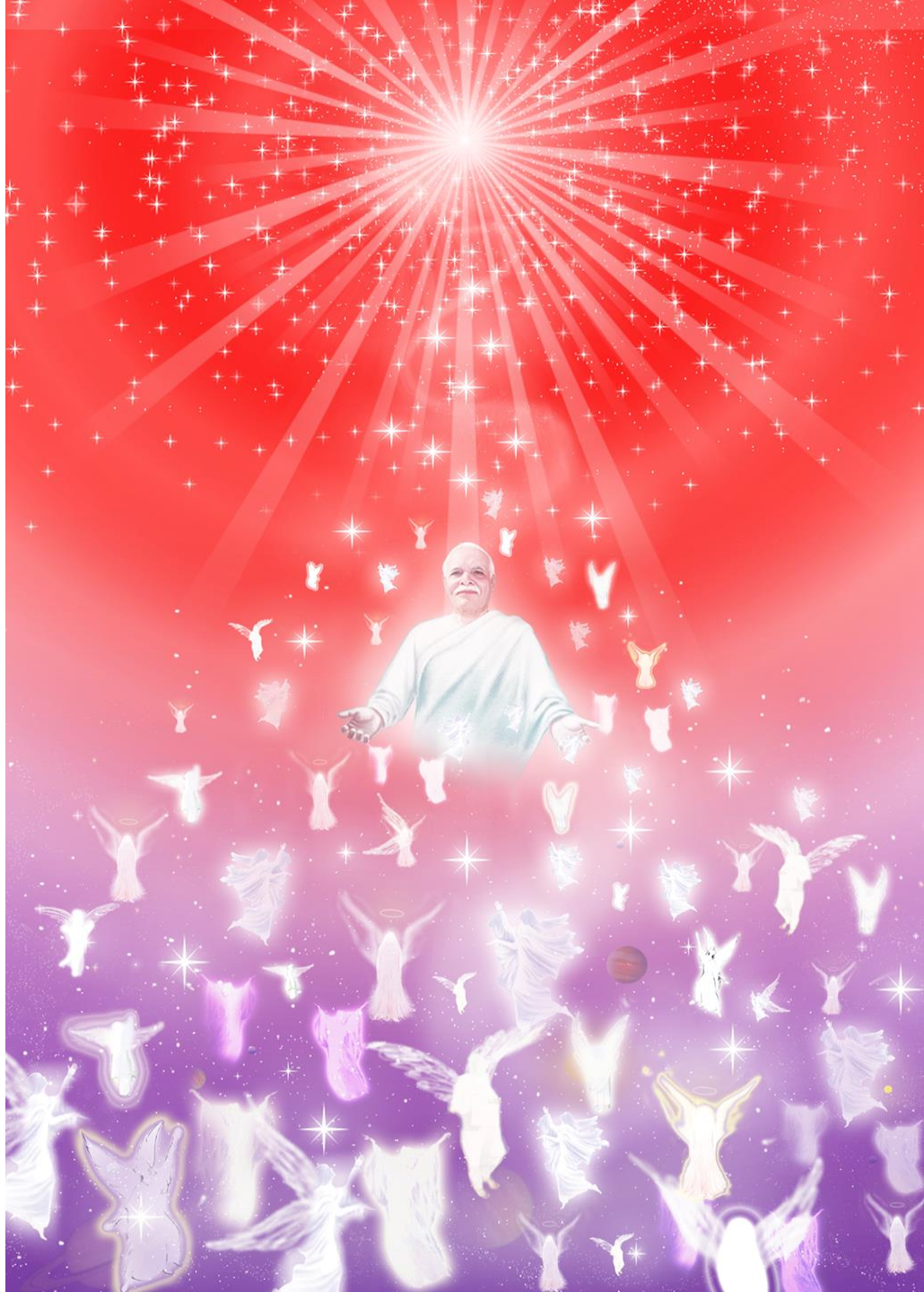

- ✓भक्ति मार्ग में कितना पैसा वेस्ट करते हैं । यहाँ तुम्हारी पाई भी वेस्ट नहीं होती है । तुम सर्विस करते हो सालवेन्ट बनने के लिए । भक्ति मार्ग में तो बहुत पैसे खर्च करते हैं, इनसालवेट बन पड़ते हैं । सब मिट्टी में मिल जाता है ।
- ✓21 जन्मों के लिए वह देते हैं । इनडायरेक्ट भी ईश्वर अर्थ देते हैं ना । इनडायरेक्ट में इतना समर्थ नहीं है । अभी तो बहुत समर्थ है क्योंकि सम्मुख है । वर्ल्ड ऑलमाइटी अथॉरिटी इस समय के लिए है ।
- ✓ईश्वर अर्थ कुछ दान-पुण्य करते हैं तो अल्पकाल के लिए कुछ मिल जाता है । यहाँ तो बाप तुमको समझाते हैं-मैं सम्मुख हूँ । मैं ही देने वाला हूँ । इसने भी शिवबाबा को सब कुछ देकर सारे विश्व की बादशाही ले ली ना ।

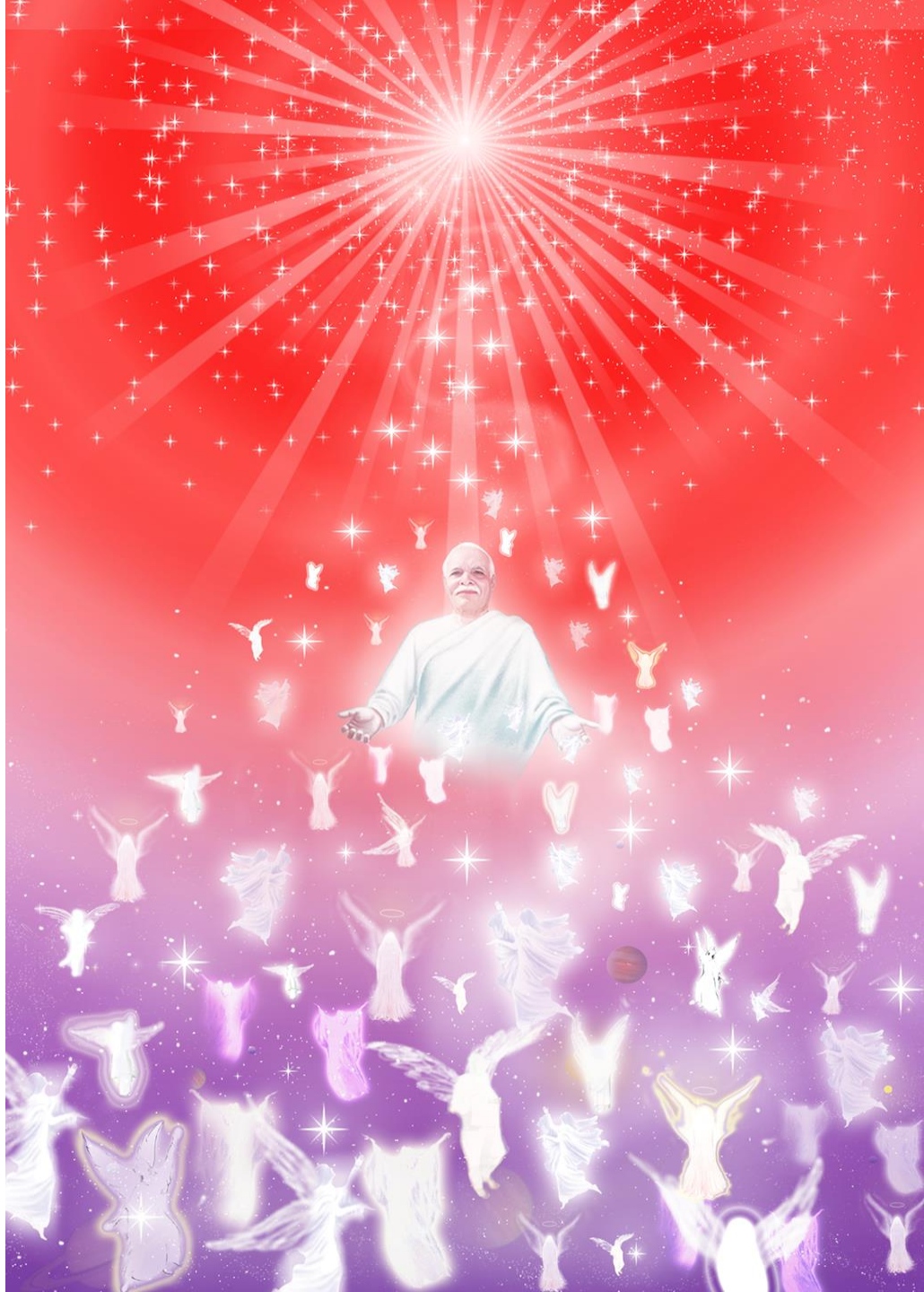

- ✓ पूजा अक्सर देवियों की ही होती है क्योंकि तुम देवियां ही खास निमित्त बनती हो ज्ञान देने के । भल गोप भी समझाते हैं परन्तु अक्सर करके तो मातायें ही ब्राह्मणी बन रास्ता बताती हैं इसलिए देवियों का नाम जास्ती है । देवियों की बहुत पूजा होती है । यह भी तुम बच्चे समझते हो आधाकल्प हम पूज्य थे । पहले हैं फुल पूज्य, फिर सेमी पूज्य क्योंकि दो कला कम हो जाती है ।

- ✓ भक्ति मार्ग वाली की बुद्धि में और तुम्हारी बुद्धि में कितना रात-दिन का फर्क है! तुम हो ईश्वरीय बुद्धि, वह हैं रावण की बुद्धि । तुम्हारी बुद्धि में है कि यह सारा चक्र ही 5 हजार वर्ष का है, जो फिरता रहता है । जो रात में हैं वह कहते हैं लाखों वर्ष, जो दिन में हैं वह कहते 5 हजार वर्ष ।

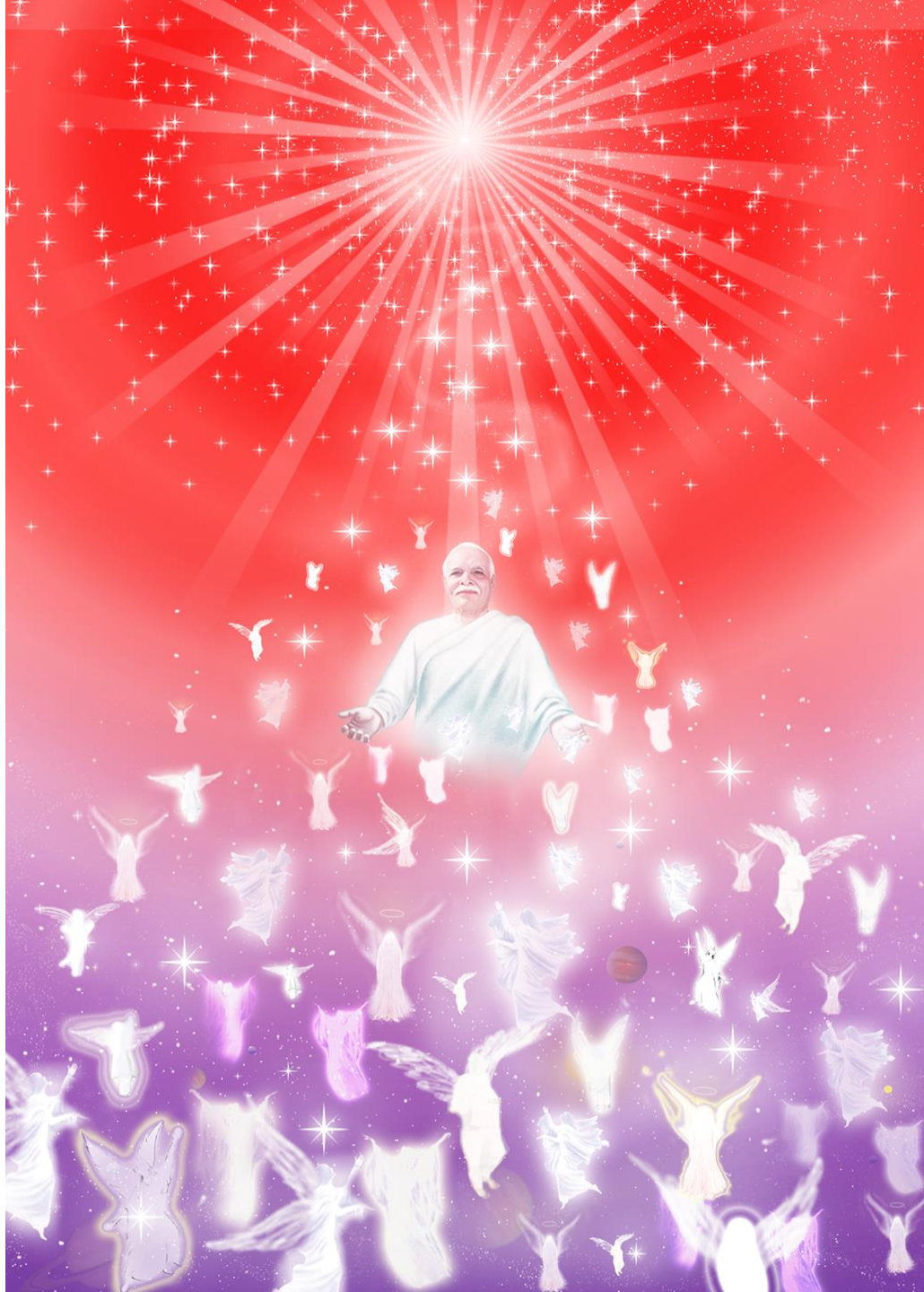

- ✓ अब तुमको डायरेक्ट मत मिलती है । श्रीमद् भगवत गीता है ना । और कोई शास्त्र पर श्रीमद् नाम है नहीं ।

- ✓ अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमोर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।

- ✓ वरदान: दाता की देन को स्मृति में रख सर्व लगावों से मुक्त रहने वाले, आकर्षणमुक्त भव !
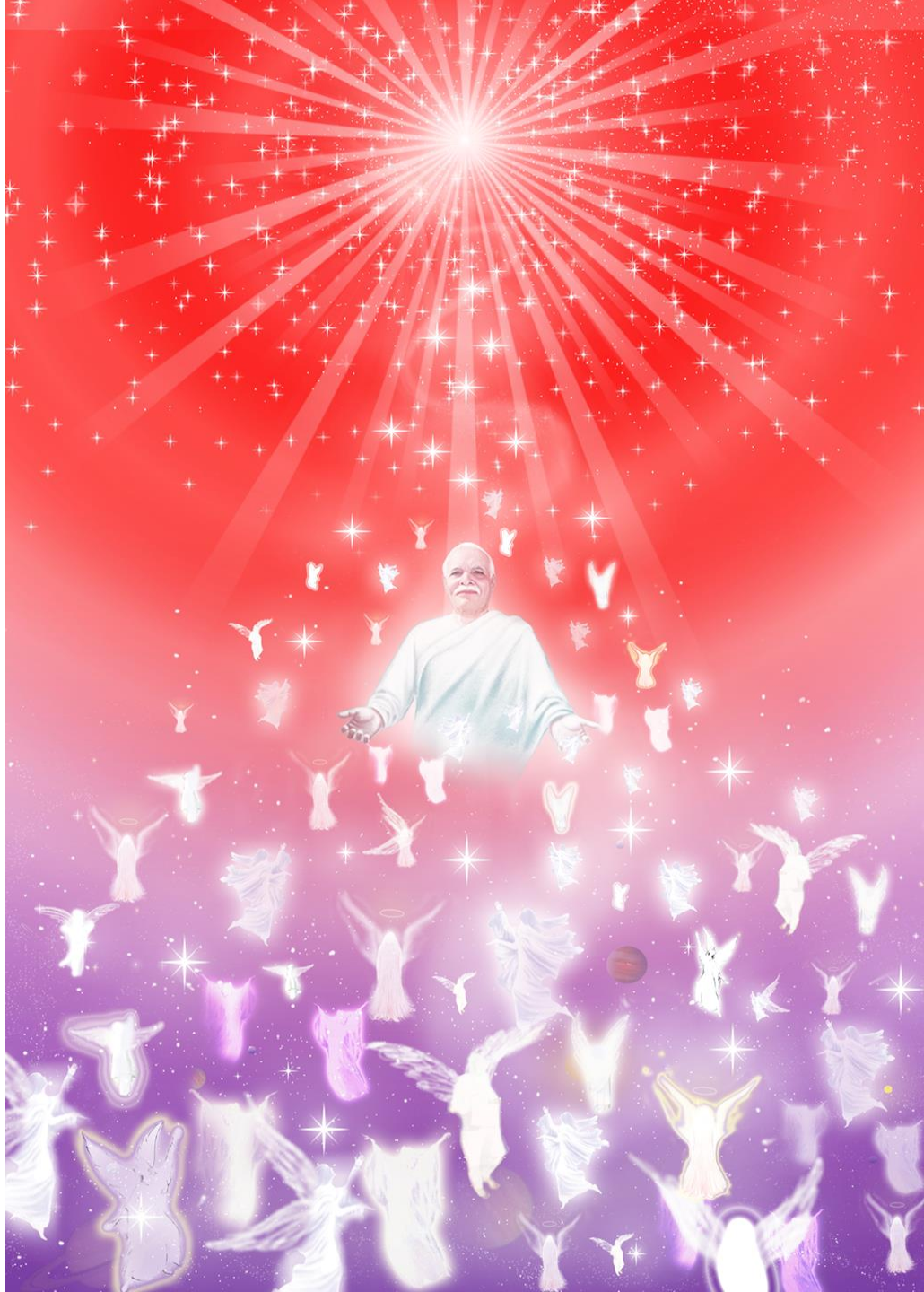
- ✓ ऐसे रूहानी सोशल वर्कर बनो जो भटकती हुई आत्मा को ठिकाना दे दो, भगवान से मिला दो ।